AARSH BOOKS

संस्कृत सुबोध

Teacher's Resource Book

Class 4

संस्कृत सुबोध-4

1 सदाचारः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (iii) सत्यम्, (ख) (i) पठनीयम्,
(ग) (ii) शीघ्रम्, (घ) (iii) वन्दनम्।

2. (क) भजनीयम्, सत्यं वचनं
(ख) त्यजनीयम्, भद्रं-भद्रं
(ग) पठनीयम्, मन्दम्-मन्दम्
(घ) करणीयम, अतिथि वन्दनं

3. (क) अच्छी पुस्तक पढ़नी चाहिए।
(ख) सुबह अवश्य जाग जाना चाहिए।
(ग) कटु वचन त्यागने चाहिए।
(घ) गुरुओं की वन्दना करनी चाहिए।

❒ क्रियाकलापम्

धातुः	अनीयर प्रत्ययं	नवीनानि शब्दानि
1. कथ् (कहना)	अनीयर्	कथनीय:
2. भू-भव (होना)	अनीयर्	भवदीय
3. गम् (जाना)	अनीयर्	गमनीय
4. पृच्छ् (पूछना)	अनीयर्	पूछनीय

❑

2 अस्माकं देशम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) भारतवासिन: (ख) (ii) कमलम्।

2. (क) भारत भूमे:
(ख) निवसाम:
(ग) जना:
(घ) अनेके

3. (क) व्याघ्र: अस्माकं राष्ट्रिय-पशु: अस्ति।
(ख) मयूर: अस्माकं राष्ट्रिय-खग: अस्ति।
(ग) कमलम् अस्माकं राष्ट्रिय-पुष्पं अस्ति।

(घ) अस्माकं राष्ट्रिय-ध्वजं त्रिवर्ण: अस्ति।
(ङ) जन-गण-मन अस्माकं राष्ट्रिय-गानम् अस्ति।

4. (क) विद्यालय: (ख) विद्यार्थी
(ग) तथापि (घ) कदापि
(ङ) पुस्तकालय: (च) कपीश:
(छ) मुनीन्द्र: (ज) प्रहरीव
(झ) गिरीश: (ञ) रवीन्द्र:

5. (क) हिन्द महासागर: भारतवर्षस्य दक्षिण भागे वर्तते।
(ख) भारतवर्षस्य उत्तर भागे प्रहरीव पर्वतराज: हिमालय: वर्तते।
(ग) भारतवर्षे विविधा: जना: निवसन्ति।
(घ) अस्माकं राष्ट्रिय-वाक्यं सत्यमेव जयते नानृतम् अस्ति।

❒ क्रियाकलापम्

अस्माकं देशं भारतवर्षम् अस्ति।
भारतवर्षे हिन्दव:, मुस्लिमा:, क्राइस्टा: इत्यादत: विविधा: जना: निवसन्ति।
भारतवर्षस्य राष्ट्रिय क्रीड़ा हाकी अस्ति।
भारतवर्षस्य राजधानी दिल्ली: अस्ति।
गंगा नदीस्य जलं पवित्रं अस्ति।

❒

3 प्रियं मम गृहम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) दुग्धम् (ख) (i) शीतला।

2. (क) पूज्या, पूज्य:, प्रियौ
(ख) श्यामा
(ग) मोती
(घ) मधुरं
(ङ) पुष्टं

3.

(अ)	(ब)
(क) मम ग्राम: अतीव	(i) अति सज्जन: अस्ति।
(ख) ग्रामस्थ वातावरणम्	(ii) रमणीय: अस्ति।
(ग) कृषका: जलेन	(iii) स्वच्छं भवति।
(घ) ग्रामप्रधान:	(v) क्षेत्राणि सिञ्चन्ति।

4. (क) मधुराणि
(ख) श्वेतलाणि
(ग) शीतलाणि
(घ) विशालाणि
(ङ) पूज्याणि
5. (क) मम धेनु: श्वेत: अस्ति।
(ख) मम शुक: हरित: अस्ति।
(ग) इदं एक: विशाल: वृक्ष: अस्ति।
(घ) गंगा अतीव: नद्य: अस्ति।
(ङ) परिश्रमस्य फलम् मधुरं भवति।
6. (क) अहं जनकपुरे निवसामि।
(ख) धेनु: श्यामा अस्ति।
(ग) दुग्धेन शरीरं पुष्ट भवति।
(घ) विडाल: गृहं मूषकात् रक्षति।
(ङ) पादपान् माता सिञ्चति।

❐ क्रियाकलापम्

(क) मम *प्रियम्* धेनु:।
(ख) मम *पूज्या* माता।
(ग) मम *पूज्य:* पिता।
(घ) मम *विडाल:* श्वेत:।
(ङ) मम *गृह* सुविशालम्।
(च) धेनु: *मधुरं* दुग्धं।

❐

4 वसन्त:

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) वर्षे
(ख) विद्यालये
(ग) कलमेण
(घ) वसन्ते
(ङ) वर्षस्य
2. (क)

वसन्त:	ग्रीष्म:	वर्षा
शरद्	हेमन्त:	शिशिर:

(ख)

चैत्र:	वैशाख:	ज्येष्ठ:
आषाढ़:	श्रृवण:	भाद्रपद:
आश्विन:	कार्तिक:	मार्गशीर्ष:
पौष:	माघ:	फाल्गुन:

3. (क) गंगा मंदं-मंदं वहति।
   (ख) कोकिला कूजति।
   (ग) उपवने पुष्पाणि विकसन्ति।
   (घ) वने मयूर: नृत्यति।
   (ङ) वृक्षे नवीन पत्राणि विकसन्ति।
4. (क) एकस्मिन् वर्षे द्वादश मासा: भवन्ति।
   (ख) वर्षस्य प्रथम: ऋतु: वसन्त: अस्ति।
   (ग) मधुर स्वरेण कोकिला कूजति।
   (घ) कमलानि सरोवरेषु विकसन्ति।
   (ङ) पुष्पेषु भ्रमरा: गुञ्जन्ति।
   (च) वर्षे षड: ऋतव: भवन्ति।
   (छ) वसन्त: ऋतु: सर्वेषु श्रेष्ठ: अस्ति।

❐ क्रियाकलापम्

(क) प्रथम: ऋतव: वसन्त: अस्ति।
(ख) वसन्ते ऋतव: परित: वृक्षे पुष्पाणि विकसन्ति।
(ग) वसन्ते ऋतव: पुष्पेषु भ्रमरा: गुञ्जन्ति।
(घ) वसन्त: ऋतु: सर्वेषु श्रेष्ठ: अस्ति।
(ङ) वसन्ते वृक्षाणं शाखासु नूतना: पल्लवा: उद्भवन्ति पुष्पाणि च विकसन्ति।

❐

5 रमणीयः आश्रमः

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) (iii) उटजानि, (ख) (ii) स्नानम्, (ग) (i) उटजम्, (घ) (iii) क्रीडाम्।
2. (क) रमणीय:
   (ख) अयं
   (ग) मुनय:
   (घ) निवसन्ति
   (ङ) चित्तं
3. (क) पक्षी मधुर आवाज करते हैं।
   (ख) एक मुनि स्नान करता है।
   (ग) जब बादल छाते हैं तब मोर नाचते हैं।
   (घ) चार बच्चे हिरण के साथ खेल रहे हैं।
   (ङ) मुनियों का जीवन शान्तिप्रिय होता है।

4. (क) मुनय: यज्ञं कुर्वन्ति।
(ख) अहं गुरुस्य सह: गच्छामि।
(ग) अत्र अनेके मुनय: निवसन्ति।
(घ) शिशु मुनस्य सह: गच्छति।
(ङ) आश्रमे शिशव: क्रीडन्ति।
5. (क) आश्रम: रमणीय: अस्ति।
(ख) वृक्षेषु खगा: कूजन्ति।
(ग) एक: मुनि: तपस्यां करोति।
(घ) चत्वार: मुनय: यज्ञं कुर्वन्ति।
(ङ) शिशव: अत्र पठन्ति निवसन्ति च।

❐ क्रियाकलापम्

1. 'मुनि' शब्द के अनुसार प्रथमा विभक्ति—

शब्द	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
हरि (विष्णु भगवान)	हरि	हरी	हरय:
कपि (बन्दर)	कपि	कपी	कपय:
ऋषि	ऋषि	ऋषी	ऋषय:
रवि (सूर्य)	रवि	रवी	रवय:

2. 'शिशु' शब्द के अनुसार प्रथमा विभक्ति—

शब्द	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
गुरु	गुरु:	गुरु	गुरव:
तरु	तरु:	तरु	तरव:
विधु	विधु:	विधू	विधव:
शत्रु	शत्रु:	शत्रू	शत्रुव:

❐

6 ग्राम्य जीवनम्

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) कृषका:, (ख) (i) सज्जन:,
(ग) (iii) उपवनम्, (घ) (iii) विकासम्।
2. (क) क्रीडाङ्गने
(ख) स्वच्छं
(ग) विकासम्
(घ) पञ्चायतने

3. (क) बाग में सुन्दर फूल खिलते हैं और मधुर खुशबू बिखेरते हैं।
   (ख) विद्यालय के अध्यापक बालकों को मनोयोग से पढ़ाते हैं।
   (ग) किसानों का जीवन सरल और पवित्र होता है।
   (घ) ग्राम के लोग महान हैं। सभी आदमी गाँव का विकास चाहते हैं।
4. (क) उपवने अनेके वृक्षा: सन्ति।
   (ख) ममं ग्रामे सर्वे साधन: प्राप्त: सन्ति।
   (ग) अयं मम ग्राम: अस्ति:।
   (घ) वयं विद्यालये पठाम:।
5.

क्रिया शब्द	**धातु**	**पुरुष**	**वचन**
पठामि	पठ्	उत्तम	एकवचन
क्रीडाम:	क्रीड्	उत्तम	बहुवचन
भवति	भू	प्रथम	एकवचन
पठसि	पठ्	मध्यम	एकवचन
लिखथ:	लिख्	मध्यम	द्विवचन
गच्छथ	गम्	मध्यम	बहुवचन

6. (क) कृषकानां जीवनं शुद्धं सरलं च भवति।
   (ख) कृषका: प्रात:कालात सायं यावत् क्षेत्रेषु, कृषि कार्यं कुर्वन्ति।
   (ग) बालक-बालिकाश्च विद्यालये पठन्ति।
   (घ) षञ्चायतने सदस्या: ग्रामस्य विकास-कार्याणि कुर्वन्ति।

❑

7 हिमालयः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) पर्वतराज:,   (ख) (iii) एवरेस्ट,
   (ग) (i) तीर्थस्थानानि,   (घ) (iii) भारतस्य।
2. (क) हिमालयात्
   (ख) शिखराणि
   (ग) प्रहरी
   (घ) ऋषय:
   (ङ) तत्परा:
3. (क) चन्द्रस्यग्रहणम्
   (ख) देवस्यदूत:
   (ग) पवनस्यपुत्र:
   (घ) ईशस्यवन्दना

(ङ) हिमस्यालय:

(च) सूर्यस्यग्रहणम्

4.

शब्द	विभक्ति	वचन
(क) रक्षणे	सप्तमी (अधिकरण)	एकवचन
(ख) तेषु	सप्तमी (अधिकरण)	बहुवचन
(ग) स्वर्गात्	पंचमी (अपादान)	एकवचन
(घ) तापेन	तृतीया (करण)	एकवचन
(ङ) हिमालयस्य	षष्ठी (सम्बंध; का, के, की)	एकवचन
(च) शिखराणि	प्रथमा (ने)	बहुवचन

5. (क) मोहन राम के बाग से फल लाता है।
   (ख) सभी बालकों में दिनेश सर्वश्रेष्ठ है।
   (ग) प्राचीनकाल में हिमालय पर बहुत से ऋषि रहते थे।
   (घ) शेर पशुओं का राजा है।
   (ङ) विद्यालय से बालक आते हैं।

6. (क) हिमालय: पर्वतराज: अस्ति।
   (ख) हिमालय: भारतस्य उत्तरभागे स्थित: अस्ति।
   (ग) हिमालय: सर्वोच्च: श्रृंग एवरेस्ट अस्ति।
   (घ) कवय: काशमीरस्य तुलना स्वर्गात् कुर्वन्ति।
   (ङ) हिमालयस्य रक्षणे भारतस्य रक्षणम् अस्ति।

❒ क्रियाकलापम्

(क) गंगा यमुना च हिमालयात् निर्गच्छत:।

(ख) राम: मोहन: च दुग्धम अपिबत:।

(ग) रमा गीता च पत्रं लिखत:।

(घ) दिनेश: महेश: च विद्यालयं गमिष्यत:।

❒

8 परोपकार:

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) परोपकार:, (ख) (i) प्रकृति:।

2. (क) अस्थीनि (ख) सौरभं
   (ग) पिपासिता (घ) श्येन:
   (ङ) भ्रातृभाव: (च) नद्य:

3. (क) भारतवर्ष में अनेक परोपकारी महापुरुष हुए।
(ख) व्यास ने कहा—परोपकार पुण्य है, दूसरों को सताना पाप है।
(ग) वृक्ष दूसरों की भलाई के लिए फल देते हैं।
(घ) परोपकारी लोग भूखों को भोजन देते हैं।
(ङ) प्रकृति में प्रत्येक कार्य परोपकार के लिए होता है।
4. (क) परेषां उपकार: परोपकार: कथ्यते।
(ख) परोपकारस्य भावनयैव राष्ट्रस्य उन्नति: भवति।
(ग) पुष्पाणि परोपकाराय सौरभं विकिरन्ति।
(घ) प्रकृते: प्रत्येकं कार्यं परोपकाराय एवं भवति।
5. (क) परेषामं उपकार: परोपकार: कथ्यते।
(ख) परोपकारस्य भावनयैव समाजस्य राष्ट्रस्य च उन्नति भवन्ति।
(ग) प्रकृते सदैव अस्माकम् उपकारम् करोति।
(घ) शिवि: श्येनाय स्व: अस्थीनि अयच्छत्।

❐ क्रियाकलापम्

पृच्छ् धातु के लट् लकार रूप—

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम पुरुष	पृच्छति	पृच्छत:	पृच्छन्ति
मध्यम पुरुष	पृच्छसि	पृच्छथ:	पृच्छथ
उत्तम पुरुष	पृच्छामि	पृच्छाव:	पृच्छाम:

❑

9 वर्षाकाल:

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) (iii) मुदित:, (ख) (i) कूजति,
(ग) (iii) गर्जति, (घ) (ii) मराल:।
2. (क) कूर्दति बाल, वर्षाकाल:।
(ख) हर-हर-हर, सर-सर
(ग) घन:, नृत्यति, सर-सर
3. (क) बादल गरजता है।
(ख) हंस गगन की ओर चला गया है।
(ग) लड़का मित्रों के साथ उछल-कूद करता है।
(घ) नदी का जल हर-हर-हर करके बहता है।
(ङ) कोयल वृक्षों की शाखाओं पर कूकती है।

4. (क) मरालः — (i) बह रही है
(ख) वहति — (ii) प्रसन्न
(ग) वर्षाकालः — (iii) मित्रों के साथ
(घ) मुदितः — (iv) वर्षा की ऋतु
(ङ) मित्रै — (v) हंस

5. (क) पिकः वने कूजति।
(ख) पवनः सर-सर वहति।
(ग) बालकः ह्यः नगरम् गतः।
(घ) बालिकाः मित्रै सहः कूर्दन्ति।
(ङ) मयूरः उपवनेः नृत्यति।

6. (क) कपोतः (ख) मयूरः (ग) मरालः
(घ) शुकः (ङ) पिकः (च) चटकाः

7. (क) बालः मित्रै सहः कूर्दति।
(ख) समीरः सर-सर वहति।
(ग) मयूरः नृत्यति।
(घ) मरालः गगनं गतः।
(ङ) वने उपवने पिकः कूजति। ❑

10 अस्माकं महापुरुषाः

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) द्वादशवर्षाणि, (ख) (iii) मूलशंकरः।

2. (क) महापुरुषः
(ख) अत्याचारं
(ग) मूलशंकरः
(घ) दयानन्दः

3. (क) महावीरः जैन धर्मस्य चतुर्विंशः तीर्थङ्करः आसीत।
(ख) सः बुद्धस्य नामात् प्रसिद्धं अभवत।
(ग) बाल्यकाले बुद्धस्य नामः सिद्धार्थः आसीत्।
(घ) सत्यं अहिसा च द्वे तस्य आस्ताम्।

4. (क) महावीरस्य मनसः विकलतायाः कारणानि समाजे प्रचलितः वर्गभेदः आडम्बरंः, जीवहिंसा प्रभृतयः आसन्।
(ख) बाल्यकाले बुद्धस्य नामः सिद्धार्थ आसीत्।

(ग) जैनधर्मस्य अन्तिम तीर्थङ्कर महावीरः आसीत्।
(घ) गान्धिनः पूर्णनाम मोहनदास कर्मचंद आसीत्।
(ङ) दयानन्दस्य दीक्षागुरुः श्री परिपूर्णानन्दः आसीत्।
(च) बुद्धस्य पितुः नाम शुद्धोदनः आसीत्।

❒ क्रियाकलापम्

'पुष्प' शब्द के रूप—

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	पुष्पम्	पुष्पे	पुष्पाणि
द्वितीया	पुष्पम्	पुष्पे	पुष्पाणि
तृतीया	पुष्पेन	पुष्पाभ्याम्	पुष्पैः
चतुर्थी	पुष्पाय	पुष्पाभ्याम्	पुष्पेभ्यः
पञ्चमी	पुष्पात्	पुष्पाभ्याम्	पुष्पेभ्यः
षष्ठी	पुष्पस्य	पुष्पयोः	पुष्पानाम्
सप्तमी	पुष्पे	पुष्पयोः	पुष्पेषु
सम्बोधन	हे पुष्प!	हे पुष्पे!	हे पुष्पाणि!

❒

11 दूरदर्शनम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) वातानुकूलकम्, (ख) (i) शिक्षायां।

2. (क) विज्ञानस्य
(ख) प्रमुखं
(ग) विज्ञापनानि

3. (क) दूरदर्शन मनोरंजन का प्रमुख साधन है।
(ख) इसका शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान है।
(ग) दूरदर्शन पर अनेक विज्ञापन भी दिखते हैं।

4. (क) टीवी रेडियो च विज्ञानस्य अविष्कारा: सन्ति।
(ख) विज्ञाने वयं लाभः हानिः च द्वे सन्ति।
(ग) अद्यः व्यवसायस्य युगः अस्ति।

5. (क) दूरदर्शन: मनोरंजनस्य प्रमुखं साधनं अस्ति।
(ख) दूरदर्शनेन संगीत-नृत्यं चलचित्रं नाटकीदीनां प्रसारणं भवति।
(ग) विज्ञानस्य प्रमुखा: आविष्कारा: टंकणयन्त्रम्, यन्त्रमानव: इत्यादय: सन्ति।
(घ) दूरदर्शनं आकाशवाणीं भिन्नं न चित्रां दृश्यं दृश्यते।

❐ क्रियाकलापम्

1. टीवी रेडियो च चिज्ञानस्य आविष्कारा: सन्ति।
2. यन्त्रमानव: विज्ञानस्य देन अस्ति।
3. विज्ञानस्य दूरदर्शनस्य आविष्कार: मनोरंजन क्षेत्रे आश्चर्यजनक: अस्ति।
4. वायुयानम् अन्तरिक्षयानम् च विज्ञानस्य आविष्कारा: सन्ति।
5. परमाणुशस्त्रं, दूरभाषं, टंकणयन्त्रम् उर्वरक: च विज्ञानस्य आविष्कारा: सन्ति।

12 स्वतन्त्रता-दिवसः

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) प्रणमन्ति
(ख) सावधाना:
(ग) प्रसन्ना
(घ) गौरवस्य
2. (क) शिक्षका: छात्रेभ्य: मिष्ठान्नं वितरन्ति।
(ख) अयं अस्माकं विद्यालय अस्ति।
(ग) सर्वे छात्रा: राष्ट्रगीत: गायन्ति।
(घ) अद्य: ममं जन्मदिवस: अस्ति।
(ङ) छात्रा: ईश्वरं: प्रणाम: कुर्वन्ति।
3. (क) अगस्तमासस्य पञ्चदशे दिवसे स्वतन्त्रतादिवस: भवति।
(ख) प्रधानाचार्य: राष्ट्रध्वजं आरोहयति।
(ग) ध्वजारोहण समये सर्वे राष्ट्रगानं गायन्ति।
(घ) शिक्षिका: छात्रेभ्य: मिष्ठान्नं वितरन्ति।
(ङ) प्रमुख: समारोह: दिल्ली नगरैव भवति।

❑

13 सिंह मूषकश्च कथा

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) सिंहः, (ख) (iii) सहायतां।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

3. (क) सुप्तः

(ख) मूषकाय

(ग) सहायतां

(घ) गर्जनं

(ङ) उपयोगी

4. (क) एकः मूषकः अवदत्—भो वनराज!

(ख) एकः वने एकः सिंहः अवसत्।

(ग) एकः मूषकः तस्य शरीरे अकूर्दत्।

(घ) मूषकः जालं अकृन्तत्।

5. (क) सिंहः एकस्य वृक्षस्य अधः सुप्तं आसीत्।

(ख) मूषकः सिंहस्य शरीरे अकूर्दत्।

(ग) सिंहः जालेन बद्धः अभवत्।

(घ) मूषकः जालम् अकृन्तत्।

❒ स्मरणीया

(क) मूषकः जालमकृन्तत्।

(ख) अद्य अहमवगच्छामि।

(ग) छात्रः विद्यालयमगच्छत्।

(घ) मूषकः सिंहमवदत्।

❒ क्रियाकलापम्

धातुओं के लङ लकार रूप—

लिख् (लिखना),	हस् (हँसना),	वद् (बोलना),	नृत् (नाचना)
अलिख	अहस	अवद	अनृत्य

❑

14 चतुरः शशकः

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) पशुम्
   (ख) कूपे
   (ग) स्व प्रतिबिम्बम्
   (घ) बुद्धिबलेन
2. (क) एकदा: वने एक: सिंह: अवसत्।
   (ख) शशक: अतीव बुद्धिमान: आसीत्।
   (ग) सिंह: अपृच्छत्—त्वं विलम्बेन कथम् आगच्छ:।
   (घ) शशक: सिंहम् कूपं समीपं अनयत्।
3. (क) अस्माकं मयूर: राष्ट्रपक्षि: अस्ति।
   (ख) बालिके रमा: श्रेष्ठ: अस्ति।
   (ग) राम: एक: छात्र: अस्ति।
   (घ) रमा एक: छात्रा अस्ति।
   (ङ) अस्माकं देशे गंगा प्रवहति।
4. (क) सिंह: अतीव निर्दय: आसीत्।
   (ख) शशक: अति चतुर: आसीत्।
   (ग) सिंह: अपृच्छत्—दुष्ट शशक: त्वं विलम्बेन कथम् आगच्छ।
   (घ) शशक: सिंहं एकं कूपं समीपम् अनयत्।
   (ङ) अपरं सिंह हन्तु स: कूपे अगच्छत्।
   (च) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य निर्बुद्धेस्तु कुतो बल।

❐ क्रियाकलापम्

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	बालिका	बालिकौ	बालिका:
द्वितीया	बालिकाम्	बालिकौ	बालिकान्
तृतीया	बालिकेन	बालिकाभ्याम्	बालिकै:
चतुर्थी	बालिकाय	बालिकाभ्याम्	बालिकेभ्य:
पञ्चमी	बालिकात्	बालिकाभ्याम्	बालिकेभ्य:
षष्ठी	बालिकास्य	बालिकयो:	बालिकानाम्
सप्तमी	बालिके	बालिकयो:	बालिकेषु
सम्बोधन	हे बालिका!	हे बालिकौ!	हे बालिका:!

❐

15 अम्लानि सन्ति द्राक्षाफलानि

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) बुभुक्षित:, (ख) (i) उद्यमेन।
2. (क) लुब्धको
   (ख) पीडित:
   (ग) अति श्रान्त।
   (घ) द्राक्षामण्डपम
   (ङ) अम्लानि
3. (क) अन्यत्र + आगच्छत् (ख) वृक्षस्य + ऊपरि
   (ग) अत्र + अन्तरे (घ) इति + उक्त्वा
   (ङ) इत: + स्तत: (च) भोजनं + अभावेन
4. (क) एकस्मिन् वने एक: श्रृगाल: आसीत्।
   (ख) वृक्षस्योपरि द्राक्षालताम् आसीत्।
   (ग) श्रृगाल: द्राक्षा खाद्य अइच्छित:।
   (घ) द्राक्षाफलानां स्तबकान् अतीव: उच्चै: आसीत।
   (ङ) श्रृगाल: द्राक्षास्य अनिन्दत्—अम्लानि सन्ति द्राक्षाफलानि।
5. (क) तस्योपरि द्राक्षालता आरूढ़ासीत्।
   (ख) उच्चस्थाने द्राक्षाफलानि दृष्टवा श्रृगाल: अतीव दु:खित: अभवत्।
   (ग) अम्लानि सन्ति द्राक्षाफलानि।
   (घ) श्रृगाल: कथयित्वा द्राक्षाफलानि अनिन्दत् न लब्धानि।

❒ क्रियाकलापम्

क्रिया शब्द	धातु	लकार	पुरुष	वचन
पठत:	पठ्	लट्	प्रथम पुरुष	द्विवचन
अलिख:	लिख्	लङ्	मध्यम पुरुष	एकवचन
धाविष्याव:	धाव	लृट्	उत्तम पुरुष	द्विवचन
हसिष्यामि	हस्	लृट्	उत्तम पुरुष	एकवचन
अनृत्यत	नृत्	लङ्	प्रथम पुरुष	एकवचन
वदन्ति	वद्	लट्	प्रथम पुरुष	बहुवचन
क्रीडाम:	क्रीड्	लट्	उत्तम पुरुष	बहुवचन

❑

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) (iii) रामः, (ख) (i) रावणः।
2. (क) कौशल्या
   (ख) लक्ष्मण:
   (ग) सुग्रीवस्य
   (घ) प्रसन्ना:
3. (क) लक्ष्मण:
   (ख) ग्रामे
   (ग) विद्यालयात्
   (घ) रामस्य
   (ङ) राक्षसस्य
4. (क) रावण: सीताम्: अहरत्।
   (ख) राम: एक: आदर्श: पुत्रं आसीत्।
   (ग) कौशल: नृप: दशरथ: आसीत्।
5.

क्रिया	धातु	पुरुष	वचन
(क) आसीत्	अस्	प्रथम पुरुष	एक
(ख) अगच्छताम्	गम्	प्रथम पुरुष	द्विवचन
(ग) अपठम्	पठ्	उत्तम पुरुष	एकवचन
(घ) अलिखत्	लिख्	प्रथम पुरुष	एकवचन
(ङ) आसन्	अस्	प्रथम पुरुष	बहुवचन
(च) अवदत्	वद्	प्रथम पुरुष	एकवचन

6. (क) रामस्य: पिता: दशरथ: आसीत्।
   (ख) रामस्य विवाह सीतया सह अभवत्।
   (ग) लक्ष्मण: रामस्य अनुज: भ्राता: आसीत्।
   (घ) अद्य: अपि रामराज्य: प्रसिद्ध: अस्ति।
7. (क) दशरथस्य चत्वार: पुत्रा: आसन्।
   (ख) रामस्य माता: कौशल्या नाम: आसीत्।
   (ग) विश्वामित्र: अवदत्—वने राक्षसा: मम यज्ञं नाशयन्ति।
   (घ) सुग्रीवस्य सहायतया राम: रावणस्य वधम् अकरोत्।

❑

17 सम्भाषणम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) इलाहाबादनगरं, (ख) (i) तस्य: अग्रज:।
2. (क) इलाहाबाद नगर में मेरे दादा, दादी और चाचाजी रहते हैं।
   (ख) मेरे छोटे चाचा का विवाह होगा।
   (ग) आज मैं नहीं जाऊँगा।
   (घ) मेरे पिता आज नहीं जायेंगे।
   (ङ) परसों मेरी परीक्षा समाप्त होगी।
3. (क) ममं अनुज: नाम: मिन्टू अस्ति।
   (ख) ममं पितामह नाम: प्रेम: अस्ति।
   (ग) ममं जनक: एक: कृषक: अस्ति।
4. (क) लिखिष्यामि
   (ख) क्रीडिष्याम:
   (ग) गमिष्याव:
   (घ) गमिष्यति
   (ङ) पठिष्यति।
5.

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**काल**
अक्रीडत्	क्रीड्	लङ्	भूत
अगच्छन्	गम	लङ	भूत
धाविष्यति	धाव	लृट्	भविष्य
हसति	हस	लट्	वर्तमान
अनृत्यत्	नृत्	लङ	भूत
वदिष्यामि	वद्	लृट्	भविष्य

6. (क) तौ हसिष्यथ:।
   (ख) अहं पुस्तकं पठिष्यामि।
   (ग) राम: श्व: विद्यालयं गमिष्यति।
   (घ) यूयं कदा लिखिष्यथ।
   (ङ) वयं अपि तत्र गमिष्याम:।
7. (क) गमिष्यति।
   (ख) पितृव्यस्य:
   (ग) त्वं
   (घ) प्रथमसत्रस्य
   (ङ) आगमिष्याम:

❒ क्रियाकलापम्

1. वद् धातु के लृट् लकार रूप—

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम पुरुष	वदिष्यति	वदिष्यत:	वदिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	वदिष्यसि	वदिष्यथ:	वदिष्यथ
उत्तम पुरुष	वदिष्यामि	वदिष्याव:	वदिष्याम:

2. लिख् धातु के लृट् लकार रूप—

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम पुरुष	लिखिष्यति	लिखिष्यत:	लिखिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	लिखिष्यसि	लिखिष्यथ:	लिखिष्यथ
उत्तम पुरुष	लिखिष्यामि	लिखिष्याव:	लिखिष्याम:

❑

18 सूक्ति-सुधा

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) पापस्य
(ख) अहिंसा
(ग) वसुन्धरा
(घ) श्री:
(ङ) सत्यमेव
(च) सर्व धनं

2. सूक्तियों छात्र स्वयं कण्ठस्थ करें।

❑